

डिजिटल पढ़ाई: युवाओं के लिए मददगार बन रहा सरकार का 'दिशारी'

सरकारी ऐप से रोजाना 5500 युवा घर बैठे दे रहे परीक्षा

जया गुप्ता
patrika.com

जयपुर . राज्य में गांवों से शहरों में जाकर कोचिंग संस्थानों की मोटी फीस भरने में अक्षम युवाओं के लिए सरकार के ऑनलाइन ऐप 'कोचिंग' का काम कर रहे हैं। इन ऐप के माध्यम से युवा पढ़ाई के साथ घर बैठे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं। इसमें सर्वाधिक इस्तेमाल उस 'दिशारी' ऐप का हो रहा है, जिसे शिक्षा विभाग ने 8 महीने पहले लॉन्च किया था।



14 सरकारी ऐप और वेबसाइट पढ़ाई के लिए

- | | |
|---|---------------------------------|
| ■ नेशनल मिशन ऑन लाइब्रेरीज | ■ नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी |
| ■ नेशनल लाइब्रेरी | ■ इनहेन्सड लर्निंग (एनपीटीइएल) |
| ■ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (आइजीएनसीए) | ■ वर्चुअल लैब्स ■ दिशारी |
| ■ आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया | ■ ई-पीजी पाठशाला ■ स्वयं |
| ■ नेशनल मिशन फॉर मेन्युस्क्रिप्ट्स | ■ नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी |
| ■ कंसॉर्शियम फॉर एजुकेशनल कम्यू | ■ ऑफ इंडिया |
| | ■ ई-ज्ञानकोष ■ शोधगंगा |

शिक्षा विभाग के लिए शिक्षक व ऐप प्रोग्रामर अलवर के इमरान खान ने दिशारी ऐप विकसित किया था।

उन्होंने शिक्षण के 52 ऐप बनाकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय को दिए हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी लंदन में इमरान का सम्मान कर चुके हैं।

पढ़ें सरकारी @ पेज 10

यों मिल रही राहत

2017 नवम्बर में दिशारी लॉन्च

08 महीने में 1.5 लाख युवा डाउनलोड कर चुके हैं दिशारी

44 लाख टेस्ट हो चुके हैं सरकारी ऐप के जरिए

08 बजे रात को रोजाना ऐप के जरिए ऑनलाइन परीक्षा

15 हजार से ज्यादा प्रश्न होते हैं विचित्र में

(विभागीय आंकड़ों के मुताबिक)

सरकारी...

ऐप के माध्यम से सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स, गणित, रीजनिंग, सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर, हिंदी व्याकरण आदि का ज्ञान दिया जा रहा है। रोजाना रात को विजय होती है, जिसमें 15 हजार से ज्यादा प्रश्न हैं। ऐसे में युवा घर बैठे ऐप की मदद से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। रोजाना हो रहे ऑनलाइन टेस्ट में अपने रिजल्ट के जरिए युवा अपना आंकलन कर रहे हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के युवा अधिक हैं।

दिशारी ऐप पर 6 महीने से विशेष फोकस किया जा रहा है। युवाओं के लिए यह काफी मददगार साबित हो रहा है।

इमरान खान, ऐप डवलपर
इस साल कॉलेजों में डिजिटल एजुकेशन पर फोकस किया जा रहा है। ई-लर्निंग के लिए 14 ऐप व वेबसाइट उपलब्ध हैं।

आशुतोष एटी पेडणेकर,
आयुक्त, कॉलेज शिक्षा